University in News on 30 May 2020

AMAR UJALA MY CITY Page 5

छात्रों के स्टार्टअप को लविवि देगा पांच लाख रुपये

लखनऊ। लखनऊ विवि अपने विद्यार्थियों के नवाचार को स्टार्टअप का रूप देने में अब आर्थिक सहयोग भी देगा। विवि प्रति वर्ष पांच लाख रुपये की सीड मनी की योजना लेकर आया है। इस योजना के तहत महात्मा गांधी रोजगार अध्ययन केंद्र के तहत, डायरेक्टर, काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल (सीपीसी) और एक चयनित एडवाइजरी बोर्ड उपयुक्त छात्रों का चयन करेगी। छात्र अपना प्रस्ताव एडवाइजरी के सामने पेश करेगा। प्रस्तुति और गुणवत्ता के आधार पर एडवाइजरी यह तय करेगी कि किस छात्र को कितनी राशि मिलनी चाहिए। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विवि में कई विद्यार्थी ऐसे हैं जिनके पास शानदार बिजनेस आइडिया है। पैसे की कमी की वजह से वे उसकी शुरुआत नहीं कर पा रहे हैं। डिग्री के बाद भी काफी विद्यार्थी नौकरी नहीं पा पाते हैं। ऐसे में उन्हें आर्थिक सहयोग देकर स्टार्ट अप की शुरुआत की जा सकती है। इसका फायदा यह भी होगा कि उनके पास करने के लिए असीमित मौके होंगे। लविवि ने कुल पांच लाख रुपये सीडमनी के रूप में देने का फैसला किया है। इसके लिए विद्यार्थी अपने प्रस्ताव दे सकेंगे।

लविवि खुद बनाएगा खाद, हर साल बचेंगे छह लाख रुपये

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अब अपनी जरूरत के लिए कंपोस्ट खाद का निर्माण खुद ही करेगा। विवि प्रशासन ने इसके लिए काम भी शुरू कर दिया। विवि प्रशासन अभी तक हर महीने करीब 50 हजार रुपये की खाद परिसर की विभिन्न वाटिकाओं के लिए खरीदता है।

परिसर में तैयार हो रहे तीन बड़े गड्ढे, इनमें डाली जाएंगी सूखी पत्तियां

खुद से खाद बनाने पर उसे कम से कम छह लाख रुपये सालाना की बचत होगी। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुसार, परिसर में मौजूद पेड़ पौधों की पत्तियों का प्रबंधन और उन्हें फेंकने में काफी प्रयास करना होता है। साफ-सफाई तो हो जाती है, लेकिन असल समस्या उनको फेंकने की होती है। लखनऊ नगर निगम भी कूड़ा प्रबंधन की समस्या से परेशान है।

लविवि को भी परिसर के कूड़े का निस्तारण करने में काफी मुश्किल होती है। इसको देखते हुए लविवि के बायोकेमिस्ट्री विभाग की मदद से कंपोस्ट खाद बनाने की योजना तैयार की गई है। लविवि प्रशासन परिसर में तीन बड़े गड्ढे तैयार कर रहा है। सूखी पत्तियों को इन्हीं गड्ढों में डाला जाएगा। इनको इस तरह से व्यवस्थित किया जाएगा कि एक से समय में कम से कम एक गड्ढे की खाद लविवि को उपलब्ध होती रहे। लविवि ने एक गड्ढा शिल्प कला संकाय परिसर और अन्य लविवि उद्यान में बनाए हैं। बरसात के बाद इनसे खाद मिलने की शुरुआत भी ही जाएगी।

एलयू : 102 पदों पर करेगा संविदा शिक्षकों की भर्ती

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अपने कला, वाणिज्य, अभियांत्रिकी संकाय एवं टूरिज्म और आईएमएस जैसे संस्थानों में 102 संविदा शिक्षकों की नियुक्ति करेगा। विवि ने शुक्रवार को इन पदों का सृजन करने की घोषणा की है। इन पदों के सृजन को लेकर सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि ये सभी पद रिक्रूटमेंट एंड असेसमेंट सेल द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा भेजी गई सूचना के आधार पर तय किए गए हैं। विवि पांच साल के लिए इन पदों पर भर्ती करेगा। अतिथि व्याख्याता के स्थान पर संविदा भर्ती होने की वजह से शिक्षकों में भविष्य के प्रति सुरक्षा रहेगी।

लॉकडाउन में मददगार बनी 112 सेवा

लखनऊ। लॉकडाउन के दौरान 112 सेवा ने लोगों की काफी मदद की है। इसकी सहायता से जरूरतमंदों को भोजन और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की जा सकी है। लविवि में वेबिनार में यूपी पुलिस के अतिरिक्त डीजी असीम अरुण ने यह बात शुक्रवार को कही। उन्होंने वेबिनार में पुलिस सुधार के लिए किए जा रहे विभिन्न कदमों के बारे में भी बात की। पुलिस सुधार पर काम करने वाले प्रो. मंगल ने कहा कि पुलिस में लैंगिक जागरूकता पर काफी काम किया गया है। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि पुलिस और विद्वानों के बीच होने वाले समन्वयन से चीजों में काफी सुधार आएगा। डीन एकेडमिक्स प्रो. अरविंद मोहन ने कहा कि कोविड-19 काल मे पुलिस की छवि में सुधार आया है। इसे आगे कैसे जारी रखा जा सकता है, पुलिस को विचार करना चाहिए। इस मौके पर पूर्व मुख्य सचिव रविंद्र माथुर व पूर्व डीजीपी एमसी द्विवेदी ने भी अपने विचार रखे।

NBT Page 4

बिजनेस वेंचर शुरू करने के लिए एलयू देगा ₹5 लाख

महात्मा गांधी रोजगार अध्ययन केंद्र योजना के तहत स्टूडेंट्स की करेगा मदद

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ यूनिवर्सिटी (एलयू) ने स्टूडेंट्स के प्रोत्साहन और कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। महात्मा गांधी रोजगार अध्ययन केंद्र योजना के तहत अब स्टूडेंट्स को पांच लाख रुपये प्रति वर्ष बिजनेस वेंचर को शुरू करने के लिए प्रोत्साहन राशि के रूप में दिया जाएगा। काउंसलिंग ऐंड प्लेसमेंट सेल (सीपीसी) के डायरेक्टर के अधीन एक अडवायजरी बोर्ड इसके लिए स्टूडेंट्स का चयन करेगी। इनोवेटिव बिजनेस प्रजेंटेशन के आधार पर अडवायजरी बोर्ड स्टूडेंट्स को धनराशि देगी। एलयू की इस योजना का उद्देश्य स्टूडेंट्स को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और नए आईडियाज को विकसित करना है।

एलयू नियुक्त करेगा 102 संविदा शिक्षक

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय कला, वाणिज्य, अभियांत्रिकी संकाय ऐंड टूरिज्म विभागों और आईएमएस जैसे संस्थानों के लिए 102 नए संविदा शिक्षकों के पदों का सृजन करने जा रहा है। इन सभी पदों को लेकर एलयू की प्रशासनिक बैठक में सहमति बन चुकी है। जल्द ही इन सभी पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

'रिसर्च करते समय उद्देश्य साफ होना चाहिए'

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. मनोज कुमार अग्रवाल शुक्रवार को फेसबुक लाइव के जरिए रिसर्च स्कॉलर्स से रुबरू हुए। उन्होंने रिसर्च की गुणवत्ता में सुधार के लिए जरूरी टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि रिसर्च का उद्देश्य साफ होना चाहिए। रिसर्च के प्रश्न क्या है इसे समझना चाहिए, उसी के अनुसार डेटा का विश्लेषण करना चाहिए। तभी अच्छे निष्कर्ष प्राप्त होंगे और उसी के आधार पर मजबूत नीतिगत निर्णय किए जा सकते हैं।

HINDUSTAN Page 7

एलयू के छात्र आत्मनिर्भर बनेंगे

सीड मनी योजना

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

छात्रों को पढ़ाई के साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय अब आत्मनिर्भर भी बनाएगा। इसके लिए विवि 5 लाख रुपए तक की सीड मनी योजना लेकर आया है। इसमें महात्मा गांधी रोजगार अध्ययन केन्द्र की ओर से बेहतरीन बिजनेस प्रपोजल देने वाले छात्र को रोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक मदद दी जाएगी।

छात्रों में नवाचार बढ़ाने और उनको स्व रोजगार के प्रति प्रेरित करने के लिए लविवि अपने छात्रों के लिए प्रति वर्ष 5 लाख की सीड मनी योजना लेकर आया है। इसमें छात्रों को अपना बिजनेस प्रपोजल काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक की ओर से गठित एडवाइजरी कमेटी के सामने रखना होगा। इसके बाद कमेटी छात्रों के प्रपोजल की गुणवत्ता के आधार पर तय करेगी कि छात्रों को रोजगार के लिए धनराशि दी जाए या नहीं। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस योजना के तहत छात्रों को स्वावलम्बी बनने में मदद मिलेगी।

संविदा पर होगी 102 शिक्षकों की भर्ती

लविवि लॉकडाउन के दौरान कला, वाणिज्य, पर्यटन व अभियांत्रिकी जैसे विभागों में संविदा पर 102 शिक्षकों की भर्ती करने जा रहा है। इन विभागों में पदों के सृजन को लेकर सैद्धांतिक सहमति भी बन चुकी है। प्रवक्ता डॉ . दुर्गेश ने बताया कि रिक्रूटमेंट एंड असेसमेंट सेल की ओर से विभिन्न विभागों के भेजे गए प्रस्ताव के बाद संविदा पर शिक्षकों की भर्ती की जा रही है।

TOI Page 3

LU to fund students' startups

Times News Network

Lucknow: If you are a Lucknow University student with an innovative business idea, you might have a shot at getting the varsity finance your startup.

LU has decided to award Rs 5 lakh per year to students wanting to launch businesses and startups. The amount will be divided among students who present the best of ideas. "As an institution, it's our responsibility to support our students' dreams. LU's counselling and placement cell, within the purview of Mahatma Gandhi Rozgar Adhyayan Kendra, will award students Rs 5 lakh per year as seed capital their business ventures," said LU vice-chancellor Alok Kumar Rai.

Rai said the students will have to pitch their business proposal to an advisory board, which will select the best idea.

i-Next Page 3

मेडिकल फैकेल्टी की ओर एलयू की कदमताल तेज

लखनऊ यूनिवर्सिटी नवंबर में अपने सौ साल पूरे करने जा रही है. शताब्दी वर्ष को यादगार बनाने के लिए यहां कई बड़े कदम उठाए जा रहे हैं. इसी कड़ी में एलयू अब मेडिकल फैकल्टी शुरू करना चाहता है, जिसकी तरफ यूनिवर्सिटी ने धीरे-धीरे कदम बढ़ाना भी शुरू कर दिए हैं.

शासन को भेजे गए सात वर्षीय प्लान में मेडिकल फैकेल्टी को किया था शामिल

शुरुआती दौड़ में आयुर्वेद और योग के माध्यम से मेडिकल सुविधाओं का करेगा विस्तार

दो आयुर्वेदिक कॉलेज

अभी एलयू आयुर्वेद के दो कॉलेजों को अपने यहां से डिग्री देता है. यूनिवर्सिटी ने आयुर्वेद और योग संकाय को मेडिकल के रूप में विकसित करना शुरू कर दिया है. वहीं जेनेटिक इंस्टीट्यूट की स्थापना के लिए कार्य परिषद ने प्रस्ताव पास कर दिया है. इस तरह एलयू मेडिकल फैकेल्टी शुरू करने के अपने सपने को सच करने की ओर बढ़ रही है.

लगातार की जा रही थी मांग

ज्ञात हो कि केजीएमयू और इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी कभी एलयू का ही घटक हुआ करते थे, लेकिन शासन ने केजीएमयू को स्वायत्तता देकर यूनिवर्सिटी का दर्जा दे दिया था. तभी से एलयू में अलग से मेडिकल फैकेल्टी खोलने की मांग की जा रही थी. पूर्व वीसी प्रो. एसपी सिंह के कार्यकाल में एलयू न अपने सात साल की कार्य योजना में कैंपस में इंजीनियरिंग और मेडिकल फैकेल्टी शुरू करने की बात शासन से की थी. जिसमें से इंजीनियरिंग फैकेल्टी एलयू में शुरू हो गई है.

बाद में ले सकते हैं मान्यता

एलयू के जानकारों का कहना है कि यूनिवर्सिटी स्वायत संस्था होती है. वह इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट, फाइन आर्ट्स, ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन जैसे सभी विषय पढ़ा सकती है. इसके लिए उसे किसी मंजूरी की आवश्यकता नही होती है. अगर यूनिवर्सिटी अपने स्तर से संसाधन एकत्र कर लेती है तो वह कोई भी कोर्स शुरू कर सकती है. मेडिकल कोर्स में एमसीआई से यूनिवर्सिटी मानक पूरे करने के बाद कोर्स के दौरान भी मान्यता ले सकती है.

"यूनिवर्सिटी किसी भी कोर्स को पढ़ाने की स्वायत्ता रखती है. हम अगर इंफ्रास्ट्रक्चर बना लेते हैं तो कोर्स शुरू करने में कोई दिक्कत नही है. भविष्य में मेडिकल कोर्स शुरू करने की तैयारी चल रही है. प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी

केजीएमयू पहले लखनऊ यूनिवर्सिटी का घटक था, लेकिन शासन ने उसे स्वायत्तता देकर यूनिवर्सिटी का दर्जा दे दिया.

शासन से सैद्धांतिक मंजूरी

एलयू प्रशासन ने बुधवार को कार्य परिषद की बैठक में इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मालिकुलर जेनेटिक एंड इंफेक्शन डिजीज खोलने का प्रस्ताव पास किया है. जिसे खोलने के लिए प्रदेश सरकार की ओर स एलयू को चार करोड़ की ग्रांट की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई है. ऐसे में एलयू अब इस इंस्टीट्यूट का खोलने आर मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से मंजूरी के लिए कार्ययोजना बनाने का काम शुरू करने जा रहा है. यह एलयू का मेडिकल कोर्स के लिए अलग इंस्टीट्यूट होगा.

AMRIT VICHAR Page 3

लविवि छात्रों को मिलेगा सीड मनी योजना का लाभ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विश्वविद्यालय अब अपने छात्रों के लिए प्रति वर्ष 5 लाख की सीड मनी की योजना लेकर आया है। इस योजना के तहत महात्मा गांधी रोजगार अध्ययन केंद्र के अंतर्गत, डायरेक्टर, काउन्सलिंग एंड प्लेसमेंट सेल और एक चयनित एडवाइजरी बोर्ड उपयुक्त छात्रों का चयन करेगी। छात्र अपने बिजनेस प्रपोजल को एडवाइजरी के समक्ष प्रस्तुत करेंगे, और उनकी प्रस्तुतियों की गुणवत्ता के आधार पर एडवाइजरी यह तय करेगी की किस छात्र को कितनी राशि मिलनी चाहिए।

PIONEER Page 3

एलयू में आयुष के जरिए मेडिकल को विस्तार देने की कवायद तेज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शासन को भेजे सात वर्षीय प्लान में मेडिकल फैकल्टी शामिल

वर्ष 2000 में लखनऊ विश्वविद्यालय से किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज के अलग होने के बाद शताब्दी वर्ष में विश्वविद्यालय प्रशासन फिर से मेडिकल फैकल्टी को लाने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। अभियान के शुरुआती चरण में विश्वविद्यालय प्रशासन ने योग एवं आयुर्वेद संकाय का गठन कर आगे कदम बढ़ा दिया है। वैसे भी विश्वविद्यालय के घटक के रूप में शामिल राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज पूर्व से ही विश्वविद्यालय के साथ सम्बद्ध है। वही सीमा विस्तार के तहत यूनानी कालेज में भी संबद्धता संबंधी कवायद विश्वविद्यालय स्तर पर पिछले 2 वर्षों से की जा रही है। इन दोनों कालेजों की परीक्षाएं भी विश्वविद्यालय स्तर पर ही संपन्न कराई जाती हैं तथा परिणाम भी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा ही घोषित किए जा रहे हैं। एलयू प्रशासन ने बुधवार को हुए कार्य परिषद की बैठक में इंस्टीट्यूट आफएडवांस मालिकुलर जेनिटिक एंड इंफेक्शन डिजीज खोलने के प्रस्ताव को पास कर दिया है। इस इंस्टीट्यूट को खोलने के लिए प्रदेश सरकार की ओर से एलयू को चार करोड़ रुपए का ग्रांट देने की सैद्धांतिक मंजूरी भी दे दी गई है। ऐसे में एलयू ने अब इस इंस्टीट्यूट को खालने के लिए मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से अनुमति लेने के लिए पूरी कार्य योजना बनाने पर काम भी शुरू करने के लिए साइंस फैकेल्टी को कहा है। इस इंस्टीट्यूट के खोलने के साथ ही एलयू में यह पहली तरह का मेडिकल कोर्स के लिए अपनी तरह का अलग से इंस्टीट्यूट होगा। वही एलयू के जानकारों का कहना है कि अगर यूनिवर्सिटी अपने स्तर से संसाधन इकठ्ठा कर लेती है वह कोई भी कोर्स शुरू कर सकती है। विश्वविद्यालय के जुड़े सूत्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय स्तर पर शासन को भेजे गए 7 वर्षीय प्लान में मेडिकल फैकल्टी को भी शामिल किया गया है। इस बारे में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय का कहना है कि यूनिवर्सिटी के स्वस्थ होने से किसी भी कोर्स का संचालन किया जा सकता है। बशर्ते जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर हों। हालांकि उन्होंने इस दौरान भविष्य में मेडिकल कोर्स संचालित करने के भी संकेत दिए हैं।

एलयू में 120 संविदा शिक्षकों के पद सृजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शिक्षण व्यवस्था को पटरी पर लाने के साथ ही सुचारू रूप से संचालन को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन संविदा के तहत 120 शिक्षकों के पद सृजित करने का निर्णय लिया है संविदा पर तैनात होने वाले शिक्षकों को कला, वाणिज्य, अभियांत्रिकी संकाय एवं टूरिज्म और आईएमएस जैसे संस्थानों मे नियुक्त किया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक इन पदों के सृजन को लेकर सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है। यह सभी पद रिक्रूटमेंट एंड असेसमेंट सेल द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा भेजे गए नए कॉन्ट्रैक्चुअल भर्तियों के लिए आवेदन और उनकी आवश्यकताओं के परीक्षण के पश्चात ही तय किये गए है। उन्होंने बताया कि छात्र हित और उनमे नवोन्मेषी सोच को विकसित और प्रेरित करने हेतु लिए गए कई नए निर्णयों के क्रम मे विश्वविद्यालय अब अपने छात्रों के लिए प्रति वर्ष 5 लाख की सीड मनी योजना लागू करने जा रहा है। इस योजना के तहत महात्मा गांधी रोज़गार अध्ययन केंद्र के अंतर्गतए डायरेक्टरए काउन्सलिंग एंड प्लेसमेंट सेल और एक चयनित एडवाइजरी बोर्ड उपयुक्त छात्रों का चयन करेगी। छात्र अपने बिज़नेस प्रपोजल को एडवाइजरी के समक्ष प्रस्तुत करेंगे और उनकी प्रस्तुतियों की गुणवत्ता के आधार पर एडवाइजरी यह तय करेगी की किस छात्र को कितनी राशि मिलनी चाहिए।

TOI Page 2

Jobs for teachers on contract at LU

If you are looking for a career in higher education, there might be some good news for you. Lucknow University may soon invite applications for 102 posts of contractual teachers. The vacancies are spread across LU's faculty of arts, commerce, engineering and other centres. A consensus for these posts was reached during a meeting on Friday.

RASHTRIYA SAHARA Page 6

लविवि में जल्द होंगी 102 पदों पर संविदा भर्तियां

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय संविदा 102 संविदा पदों पर टीचरों की भर्तियां करने जा रहा है लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने वताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय कला वाणिज्य इंजीनियरिंग के साथ ही टूरिज्म और आई एम एस डिपार्टमेंट में संविदा पदों पर भर्ती करने के लिए सहमति वन गई है। जल्द ही इसके लिए अन्य औपचारिकताएं शुरू की जाएंगी।

रोजगार सृजन के लिए मिल सकते है पांच लाख

लखनऊ। यदि कोई लविवि छात्र रोजगार सृजन के लिए आगे आता है तो लखनऊ विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट सेल उसे रुपये 500000 तक दे सकता है। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रवक्ता का कहना है कि छात्र का आईडिया यदि कमेटी को समझ में आएगा तो महात्मा गांधी रोजगार अध्ययन केंद्र की ओर से उसे यह रकम मिल सकती है।